बी.एच.डी.ई.–144 छायावाद **Honours**

सत्रीय कार्य
(जुलाई 2024 एवं जनवरी 2025 सत्र के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : बी.एच.डी.ई–144 : छायावाद

मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली-110068

हिन्दी में आधार पाठ्यक्रम
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : बी.एच.डी.ई.–144
कुल अंक : 100

प्रिय छात्र/छात्राओं!
'छायावाद' पाठ्यक्रम में आपको एक सत्रीय कार्य करना है। यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) है। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किये गये हैं।

उद्देश्य : सत्रीय कार्य का मुख्य उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप स्वयं उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। उद्देश्य यह भी है कि अध्ययन के दौरान आपने जो कुछ सीखा और समझा है, उसे आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1). ऐच्छिक पाठ्यक्रमों के लिए कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए विस्तृत निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए।

2). अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।

3). बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केंद्र का उल्लेख करें जैसे आगे दिखाया गया है :

अनुक्रमांक : .....

नाम : .....

पता : .....

पाठ्यक्रम का नाम/कोड : .....

सत्रीय कार्य कोड : .....

अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड : .....

दिनांक : .....

5. उत्तर के लिए केवल फुलस्केप के आकार के कागज़ का इस्तेमाल करें और उन कागज़ों को अच्छी तरह से बाँध लें।
6. प्रत्येक उत्तर के पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें और अपनी ही लिखावट में उत्तर दें।
7. सत्रीय कार्य पूरा करके जाँच के लिए अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक (Coordinator)के पास निर्धारित तिथि तक अवश्य जमा करा दें।

सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि :
जुलाई 2024 : 30 अप्रैल, 2025

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

सत्रीय कार्य के तीन खंड हैं और उसमें तीन तरह के प्रश्न पूछे गए हैं। उत्तर देने के लिए आप निम्नलिखित विधि से तैयारी करेंगे तो आपके लिए लाभप्रद होगा :

उत्तर देने के लिए आप निम्नलिखित विधि से तैयारी करेंगे तो आपके लिए लाभप्रद होगा :

1. **अध्ययन** : सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से पुनर्व्यवस्थित कीजिए।
2. **अभ्यास** : उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिंदु पर विस्तार से विचार कीजिए। भाषा विज्ञान या हिंदी भाषा के विशिष्ट विषयों से संबद्ध प्रश्नों के उत्तर लिखने से पहले आपने उत्तर पर अच्छी तरह से विचार कर लीजिए। अगर आप बिना समझे पुस्तक या अन्य किसी स्रोत की सहायता से उत्तर देंगे तो इससे आपको कोई लाभ नहीं होगा और सत्रांत परीक्षा में आप ऐसे प्रश्नों का सही उत्तर नहीं दे पाएँगे। निबंधात्मक प्रश्न में आरंभ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्ध और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो।
ख) वाक्यों और अनुच्छेदों (paragraphs) के बीच स्पष्ट क्रमबद्धता हो,
ग) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,
घ) उत्तर प्रश्न में निर्धारित शब्दों से अधिक लंबा न हो, और
ङ) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

3. **प्रस्तुति** : जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ तो उसे साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए।

शुभकामनाओं सहित!

नोट : याद रखें कि विश्वविद्यालय के नए नियमानुसाद परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सत्रीय कार्य
(संपूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित)

पाठ्यक्रम कोड : बी.एच.डी.ई.–144 / Honours
सत्रीय कार्य कोड : बी.एच.डी.ई.–144 / जुलाई 2024
कुल अंक– 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड–क

निम्नलिखित पद्यांशों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : **10×4= 40**

(क) ओ चिंता की पहली रेखा, अरी विश्व–वन की व्याली,
ज्वालामुखी स्फोट के भीषण, प्रथम कंप–सी मतवाली।
हे अभाव की चपल बालिके, री ललाट की खलरेखा!
हरी–भरी–सी दौड़–धूप, ओ जल–माया की चल–रेखा!

(ख) जागो फिर एक बार!
समर में अमर कर प्राण,
गन गाये महासिन्धु–से,
सिंधु–नंद–तीरवासी!–
सैंधव तुरंगों पर
चतुरंग–चमू–संगय
''सवा–सवा लाख पर
एक को चढ़ाऊँगा,
गोविन्द सिंह निज
नाम जब कहाऊँगा।''
किसने सुनाया यह
वीर–जन–मोहन अति
दुर्जय संग्राम–राग,
फाग का खेला रण
बारहों महीनों में?
शेरों की माँद में,
आया है आज स्यार
जागो फिर एक बार!

(ग) भारतमाता
ग्रामवासिनी!
खेतों में फैला है श्यामल,
धूल भरा मैला–सा आँचल
गंगा यमुना में आँसू जल,
मिट्टी की प्रतिमा
उदासिनी!

(घ) तू जल–जल जितना होता क्षय,
यह समीप आता छलनामयय
मधुर मिलन में मिट जाना तू
उसकी उज्जवल स्मित में घुल खिल!
मंदिर–मंदिर मेरे दीपक जल!
प्रियतम का पथ आलोकित कर!

खंड–ख

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। **10×4= 40**

2. छायावाद की शक्ति और सीमाओं पर प्रकाश डालिए।
3. जयशंकर प्रसाद के काव्य में राष्ट्रय चेतना और मानवीयता को स्पष्ट कीजिए।
4. निराला की रचना–विधान सशक्त और बोधगम्य है, स्पष्ट कीजिए।
5. महादेवी वर्मा के काव्य में अभिव्यक्त प्रणय एवं वेदनानुभूति को व्याख्यायित कीजिए।

खंड–ग

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए। **5×4=20**

6. छायावादी काव्य में नारी विषयक धारणा पर चर्चा कीजिए।
7. सुमित्रानंदन पंत के काव्य में अभिव्यक्त प्रकृति–सौन्दर्य को रेखांकित कीजिए।
8. महादेवी वर्मा के काव्य में चित्रित मूल्य–चेतना पर प्रकाश डालिए।
9. निराला के काव्य में सांस्कृतिक–सामाजिक नवजागरण को स्पष्ट कीजिए।